

कक्षा :- 11th
विषय :-अर्थशास्त्र
पाठ्यक्रम

मास	पुस्तक का नाम	विषय वस्तु	शिक्षण के पीरियड	दोहराई के पीरियड
अप्रैल	भाग-1 अर्थशास्त्र में सांख्यिकी	यूनिट 1: परिचय- अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी का अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र एवं अर्थशास्त्र में सांख्यिकी का महत्व	10	10
मई		यूनिट 2: आंकड़ों का संग्रह – आंकड़ों का अर्थ, परिभाषा, आंकड़ों के स्रोत, आंकड़ा संग्रह की विधियाँ, आंकड़ों के प्रकार एवं स्रोत, प्रतिदर्श एवं जनगणना सर्वेक्षण, सेन्सस आफ इण्डिया तथा एन.एस.एस.ओ.	14	8
ग्रीष्म अवकाश 1 जून से 30 जून तक				
जुलाई		यूनिट 3: आंकड़ों का संगठन, वर्गीकरण, चर, बारम्बारता वितरण, अपवर्जी एवं समावेशी विधियाँ, वर्ग अन्तराल, मिलान चिन्ह अंकन एवं बारम्बारता, असमान वितरणों में बारम्बारता, आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण, वर्गीकरण, आंकड़ों का सारीणीकरण तथा सारणी के अंग, आंकड़ों का आरेखी प्रस्तुतीकरण एवं प्रकार, वृत्त आरेख (पाई) बारम्बारता आरेख, आयात चित्र (हिस्टोग्राम), बहुभुज, बारम्बारता वक्र, ओजिव (ogive) अंक गणितीय रेखाचित्र केन्द्रीय प्रवृत्ति का माप- समान्तर माध्य (AM) – असमूहित आंकड़ों का एवं समूहित आंकड़ों का समान्तर माध्य, (प्रत्यक्ष विधि, कल्पित विधि) भारित समान्तर माध्य मध्यिका (मिडियन) – मध्यिका का अभिकलन, अवस्थिति, संतत एवं असंतत श्रृंखला चतुर्वक, शतमक, बहुलक एवं इसका अभिकलन, माध्य मध्यिका एवं बहुलक की सापेक्षित स्थिति	20	4
अगस्त		यूनिट 4: परिक्षेपण के माप – परास (रेन्ज), चतुर्वक विचलन (QD), माध्य विचलन, असमूहित आंकड़ों के लिए समान्तर माध्य से माध्य विचलन, मध्यिका से माध्य विचलन, संतत वितरण के लिए माध्य से माध्य विचलन मानक विचलन (SD) – असमूहित आंकड़ों के लिए मानक विचलन का परिकलन (वास्तविक माध्य विधि एवं कल्पित माध्य विधि), पद विचलन विधि परिक्षेपण के निरपेक्ष एवं सापेक्ष माप, लारेन्ज वक्र का अर्थ एवं एप्लीकेशन सह संबंध का अर्थ, प्रकार एवं मापने की प्रविधियाँ, प्रकीर्ण आरेख, कार्लपियरसन एक स्पीयरमैन सहसम्बन्ध का गुणांक।	20	3
सितम्बर		यूनिट : सूचकांक का अर्थ, परिभाषा, रचना, समूहित विधि, मूल्यानुपातों की माध्य विधि, कुछ महत्वपूर्ण सूचकांक-उपभोक्ता कीमत सूचकांक, थोक कीमत एवं मूल्य सूचकांक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, कृषि उत्पादन सूचकांक, संवेदी सूचकांक, स्टाफ एक्सचेंज,	12	8

		अर्थव्यवस्था में सूचकांक व दोहराई		
अक्टूबर	भाग-2 भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास	यूनिट 1: विकास नितिया और अनुभव (1947-1990) स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था —औपनिवेशिक शासन के अन्तर्गत आर्थिक विकास— कृषि, औद्योगिक क्षेत्रक, विदेशी व्यापार, जनांकिकीय स्थिति, व्यावसायिक संरचना एवं आधारित संरचना भारतीय अर्थव्यवस्था (1950-1990)—पंचवर्षीय योजना के लक्ष्य, कृषि, उद्योग, व्यापार, व्यापार नीति, आपात प्रतिस्थापन।	18	3
नवम्बर		यूनिट 2-3: आर्थिक सुधार 1991 से —उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण तथा सुधारकालीन भारतीय अर्थव्यवस्था —एक समीक्षा भारतीय अर्थव्यवस्था की चुनौतियां— निर्धनता का अर्थ, निर्धनों की पहचान, संख्या, कारण, निवारण के लिए नीतियां एवं कार्यक्रम—एक समीक्षा भारत में मानव पूंजी का निर्माण, अर्थ, स्रोत, मानव पूंजी ओर मानव विकास, शिक्षा एवं सार्वजनिक व्यय में वृद्धि, भविष्य की सम्भावनाएं ग्रामीण विकास—अर्थ, साख एवं विपणन, कृषि विपणन व्यवस्था, उत्पादक विधि का विविधीकरण, विकास एवं जैविक कृषि।	17	3
दिसम्बर		यूनिट 3 का शेष भाग रोजगार—संवृद्धि, अनौपचारिकरण एवं अन्य मुद्दे—श्रमिक एवं रोजगार, रोजगार में भागीदारी, स्वनियोजित तथा भाड़े के श्रमिक, फर्मों, कारखानों तथा कार्यालयों में रोजगार संवृद्धि एवं परिवर्तनशील रोजगार संरचना, भारतीय श्रमबल, बेरोजगारी, सरकार एवं रोजगार सृजन आधारिक संरचना क्या है — प्रासंगिकता, आधारिक संरचना की स्थिति उर्जा स्वास्थ्य नोट : प्रोजेक्ट वर्क पूरा करवाना	16	3
जनवरी		यूनिट 4: पर्यावरण एवं धारणीय विकास —पर्यावरण —परिभाषा एवं कार्य, भारत की पर्यावरण स्थिति, धारणीय विकास एवं धारणीय विकास की चुनौतियां तथा रणनीतियां, आर्थिक विकास एवं धारणीय विकास की संक्षेप में तुलना। भारत और उसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव —विकास पथ : एक चित्रांकन, जनांकिकीय संकटक, सकल घरेलु उत्पाद एवं क्षेत्रक मानव विकास के संकेतक, विकास नीतियां एवं मूल्यांकन	10	4
फरवरी		पाठ्यक्रम का रिविजन प्रोजेक्ट वर्क का वाइवा लेना तथा उपलब्धि स्तर का निरीक्षण करके अंक देना।		
मार्च		वार्षिक परीक्षा		